

Desh Bhagat University Organizes Workshop on “Working with AI: Practical Skills for Professionals and Students”

The Department of Business Management and Commerce, in association with the Institution's Innovation Council (IIC), Desh Bhagat University, organized a one-day workshop on “Working with AI: Practical Skills for Professionals and Students.” The workshop aimed to provide participants with essential knowledge and hands-on experience in the rapidly evolving field of Artificial Intelligence.

The event began with a welcome address by Dr. Tavneet K. Reen, who highlighted the importance of AI in modern business practices and the need for students to stay updated with emerging technologies. The workshop was graced by the presence of eminent dignitaries including Dr. G.S. Batra, Pro Vice Chancellor, Research and Development Cell. Dr. Buta Singh, Pro Vice Chancellor, Research Innovation and Consultancy, Dr. Gurwinder Pal Singh, Assistant Dean Academics, Dr. Nidhi Gupta, Director, Department of Business Management and Commerce, Dr. Dinesh Kumar, Convener, IIC, DBU and Dr. Baldeep Singh, Department Coordinator IIC, DBU.

Dr. Ripudaman Singh, Assistant Professor, Chitkara School of Mass Communication, Chitkara University, delivered the keynote address and shared valuable insights on the practical use of AI tools. He emphasized that AI is a powerful assistant that enhances productivity, creativity and decision-making and also highlighted the importance of ethical and responsible use of AI.

The workshop saw enthusiastic participation from faculty members and students, featuring interactive sessions and practical demonstrations. The event concluded with a vote of thanks by Dr. Gurwinder Pal Singh, who expressed gratitude to the guest speaker, dignitaries, and organizers for making the workshop a success.



देश भगत यूनिवर्सिटी द्वारा ‘एआई के साथ काम करना: पेशेवरों और विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक कौशल’ विषय पर कार्यशाला आयोजित

देश भगत यूनिवर्सिटी में संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (IIC) के सहयोग से बिजनेस मैनेजमेंट और कॉमर्स विभाग द्वारा ‘एआई के साथ काम करना: पेशेवरों और विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक कौशल’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. तवनीत के. रीन के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने आधुनिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं में एआई के महत्व और विद्यार्थियों के लिए उभरती तकनीकों से अपडेट रहने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में डॉ. जी.एस. बत्रा, प्रो वाइस चांसलर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, डॉ. बूटा सिंह, प्रो वाइस चांसलर, रिसर्च इनोवेशन एंड कंसल्टेंसी, डॉ. गुरविंदर पाल सिंह, असिस्टेंट डीन अकादमिक, डॉ. निधि गुप्ता, डायरेक्टर, बिजनेस मैनेजमेंट एंड कॉमर्स विभाग, डॉ. दिनेश कुमार, कन्वीनर, आईआईसी, डीबीयू और डॉ. बलदीप सिंह, डिपार्टमेंट कोऑर्डिनेटर, आईआईसी, डीबीयू उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान चितकारा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के सहायक प्रोफेसर डॉ. रिपुदमन सिंह ने मुख्य वक्तव्य दिया और एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई एक शक्तिशाली सहायक है जो उत्पादकता, रचनात्मकता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है, साथ ही एआई के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के महत्व को भी रेखांकित किया।

कार्यशाला में फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन शामिल थे।

कार्यक्रम का समापन डॉ. गुरविंदर पाल सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने मुख्य वक्ता, अतिथियों और आयोजकों का कार्यशाला को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

DBU Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur Honoured by Govt. of India for Driving Women-Led Change in Nasha Mukht Bharat

Desh Bhagat University (DBU) proudly announces that its Pro-Chancellor, Dr. Tajinder Kaur, has been awarded a Certificate of Appreciation by the Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India, in New Delhi for her significant contribution to the Nasha Mukht Bharat Abhiyaan (NMBA).

The honour was presented by Shri Sukhwinder Singh Bindra, Member, National Institute of Social Defence (NISD) and Special Invitee (NCCDR), in recognition of her impactful efforts in advancing youth counselling, awareness initiatives, and community-driven engagement models.

Dr. Tajinder Kaur has been instrumental in promoting a compassionate, people-centric approach to tackling substance abuse. Her work underscores the importance of early intervention, emotional support, and value-based education, particularly among young students.

Under her leadership, Desh Bhagat University has undertaken several key initiatives, including establishing robust student counselling and support systems, Conducting focused awareness campaigns with a human-centric approach

Encouraging active youth participation in social responsibility initiatives, Strengthening community outreach and engagement programs, Promoting empathy, mentorship, and preventive education as pillars of social reform

Her contributions exemplify the growing role of women leaders in driving meaningful and sustainable social transformation—where awareness is reinforced with care, guidance, and long-term engagement.

Expressing her gratitude, Dr. Tajinder Kaur said, "I am deeply honoured to receive this recognition from the Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India. Addressing substance abuse requires not just awareness, but compassion, guidance, and collective responsibility. Through education and counselling, we can empower our youth to make informed and positive life choices. I sincerely thank the Ministry, the Government of India, and Shri Sukhwinder Singh Bindra for this honour."

This recognition reaffirms DBU's commitment to nurturing a responsible, aware, and resilient youth ecosystem, aligned with the national vision of a Nasha Mukht Bharat.



डीबीयू प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर को भारत सरकार द्वारा किया गया सम्मानित

देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) गर्व के साथ घोषणा करता है कि इसकी प्रो-चांसलर, डॉ. तजिंदर कौर को नई दिल्ली में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशंसा-पत्र से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) के सदस्य एवं विशेष आमंत्रित (एनसीसीडीआर) श्री सुखविंदर सिंह बिंद्रा द्वारा प्रदान किया गया, जो युवा परामर्श, जागरूकता अभियानों तथा समुदाय-आधारित सहभागिता मॉडलों को आगे बढ़ाने में उनके प्रभावशाली प्रयासों की सराहना के रूप में दिया गया।

डॉ. तजिंदर कौर ने नशीली पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक संवेदनशील एवं जन-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका कार्य विशेष रूप से युवा विद्यार्थियों में प्रारंभिक हस्तक्षेप, भावनात्मक सहयोग और मूल्य-आधारित शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

उनके नेतृत्व में देश भगत विश्वविद्यालय ने कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं, जिनमें सुदृढ़ छात्र परामर्श एवं सहयोग तंत्र की स्थापना, मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ लक्षित जागरूकता अभियान चलाना, युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित करना, सामुदायिक संपर्क एवं सहभागिता कार्यक्रमों को सुदृढ़ करना तथा सहानुभूति, मार्गदर्शन और निवारक शिक्षा को सामाजिक सुधार के स्तंभ के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।

उनका योगदान सार्थक एवं सतत सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहाँ जागरूकता को देखभाल, मार्गदर्शन और दीर्घकालिक सहभागिता के साथ सुदृढ़ किया जाता है।

आभार व्यक्त करते हुए डॉ. तजिंदर कौर ने कहा, "भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। नशीली पदार्थों की समस्या का समाधान केवल जागरूकता से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, मार्गदर्शन और सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। शिक्षा और परामर्श के माध्यम से हम अपने युवाओं को सूचित एवं सकारात्मक जीवन-निर्णय लेने के लिए सशक्त बना सकते हैं। मैं इस सम्मान के लिए मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री सुखविंदर सिंह बिंद्रा का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।"

यह सम्मान नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप एक जिम्मेदार, जागरूक और सशक्त युवा परिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति डीबीयू की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

Bihar Diwas Celebrated with Cultural Fervour at Desh Bhagat University

The Faculty of Engineering, Technology and Computing at Desh Bhagat University successfully celebrated Bihar Diwas in collaboration with the Ek Bharat Shreshtha Bharat initiative, with the objective of promoting cultural harmony and national integration.

The event beautifully showcased the rich cultural heritage of Bihar through engaging performances, traditional presentations, and enthusiastic participation by students. The vibrant energy and dedication displayed by the participants made the celebration truly memorable.

Dr. Harsh Sadawarti, Hon'ble Vice Chancellor, inspired students with his encouraging words and commended their efforts in organizing such a remarkable event. He appreciated their creativity, teamwork, and commitment.

Addressing the gathering, Dr. Zora Singh, Hon'ble Chancellor, highlighted the patriotic spirit of the people of Bihar. He spoke about the strong values upheld by Bihari students, including patriotism, resource conservation, and dedication. He also emphasized their mindful habits, such as conserving water and food, and their deep sense of national responsibility.

Dr. Tajinder Kaur, Hon'ble Pro-Chancellor, expressed her admiration for Bihar's rich cultural traditions and appreciated the students for presenting them so gracefully.

Dr. Butta Singh, Pro-Vice Chancellor, motivated students to actively participate in cultural and academic initiatives that foster unity and holistic learning.

The event concluded with a heartfelt vote of thanks by Dr. Khushboo Bansal, who expressed gratitude to the dignitaries, faculty members, and students for their contributions in making the celebration a grand success.

देश भगत विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया बिहार दिवस

देश भगत विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और कंप्यूटिंग संकाय ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत" पहल के तहत बिहार दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आकर्षक प्रस्तुतियों, पारंपरिक कार्यक्रमों और छात्रों की उत्साही भागीदारी के माध्यम से खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों की जीवंत ऊर्जा और समर्पण ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

माननीय कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से छात्रों का उत्साहवर्धन किया और इस शानदार आयोजन के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने उनकी रचनात्मकता, टीमवर्क और समर्पण की प्रशंसा की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह ने बिहार के लोगों की देशभक्ति की भावना को उजागर किया। उन्होंने बिहारी छात्रों के मजबूत मूल्यों जैसे देशभक्ति, संसाधनों के संरक्षण और समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने पानी और भोजन के संरक्षण जैसी उनकी जागरूक आदतों और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना पर भी जोर दिया।

माननीय प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर ने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना की और छात्रों द्वारा उनके सुंदर प्रस्तुतिकरण की प्रशंसा की।

प्रो-वाइस चांसलर डॉ. बूटा सिंह ने छात्रों को एकता और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने वाली सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. खुशबू बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों और छात्रों का आभार व्यक्त किया।



DESH BHAGAT RADIO CELEBRATES 'CHANDIGARH BOLLYWOOD DAY'

Desh Bhagat Radio 107.8 FM (Aap Ki Aawaaz) celebrated 'Chandigarh Bollywood Day' with great enthusiasm, marked by a cake-cutting ceremony held under the guidance of DB Radio Station Head Ms. Sanghmitra.

The event was graced by prominent personalities from the Punjabi music and film industry, including renowned film producer and actor Darshan Aulakh, Mr. Vimal Trikha, founder member of the Chandigarh Bollywood Facilitation Cell and film producer Mr. Jasbir Dhillon. The distinguished guests appreciated the initiative taken by Desh Bhagat Radio in commemorating this significant day. On the occasion, Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University and Chairman of Desh Bhagat United & Desh Bhagat Radio, remarked, "It is from this day and date that Chandigarh began attracting Bollywood stars and directors for film shoots in the City Beautiful. Since then, Punjabi film directors have increasingly chosen Chandigarh and the Tricity as preferred shooting destinations." Er. Sandeep Singh, President of Desh Bhagat University and Director of Desh Bhagat Radio, formally welcomed the guests. Dr Tejinder Kaur, Pro-Chancellor of Desh Bhagat University, highlighted the significance of celebrating this special day.

It is noteworthy that April 3 holds historical importance for Chandigarh's association with Bollywood. On this day, legendary stars of the Indian film industry, including Amitabh Bachchan, Shah Rukh Khan, Rani Mukerji, Preity Zinta, Hema Malini, and acclaimed filmmaker Yash Chopra gathered with a large crew of over 200 members at Hotel Mountview for the shooting of the iconic film Veer-Zaara. The shoot in and around Chandigarh was arranged by Darshan Aulakh's production team. This landmark moment continues to symbolize Chandigarh's growing prominence as a favored destination for Bollywood and Punjabi film productions.

देश भगत रेडियो ने 'चंडीगढ़ बॉलीवुड दिवस' मनाया

देश भगत रेडियो 107.8 एफएम (आप की आवाज) ने 'चंडीगढ़ बॉलीवुड दिवस' को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर स्टेशन प्रमुख सुश्री संघमित्रा के मार्गदर्शन में केक काटने का समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में पंजाबी संगीत एवं फिल्म उद्योग की कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं अभिनेता दर्शन औलख, श्री विमल त्रिखा (चंडीगढ़ बॉलीवुड फ़ैसिलिटेशन सेल के संस्थापक सदस्य) तथा फिल्म निर्माता श्री जसबीर दिल्ली शामिल थे। सभी विशिष्ट अतिथियों ने इस महत्वपूर्ण दिवस को मनाने के लिए देश भगत रेडियो की पहल की सराहना की।

इस अवसर पर देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति तथा देश भगत यूनाइटेड एवं देश भगत रेडियो के अध्यक्ष डॉ. जोरा सिंह ने कहा, "इसी दिन से चंडीगढ़ में बॉलीवुड के सितारों और निर्देशकों का आगमन फिल्म शूटिंग के लिए प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात पंजाबी फिल्म निर्देशकों ने भी चंडीगढ़ एवं ट्राइसिटी को अपने पसंदीदा शूटिंग स्थलों के रूप में अपना आरंभ कर दिया।"

देश भगत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एवं देश भगत रेडियो के निदेशक इंजीनियर संदीप सिंह ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। वहीं, देश भगत विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर ने इस विशेष दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि 3 अप्रैल का दिन चंडीगढ़ और बॉलीवुड के संबंधों के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। इसी दिन भारतीय फिल्म उद्योग के महान सितारे कृमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा, हेमा मालिनी तथा प्रसिद्ध फिल्म निर्माता यश चोपड़ा 200 से अधिक सदस्यों की टीम के साथ होटल माउंटव्यू में फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग के लिए एकत्र हुए थे। चंडीगढ़ एवं उसके आसपास इस फिल्म की शूटिंग का प्रबंध दर्शन औलख की प्रोडक्शन टीम द्वारा किया गया था। यह ऐतिहासिक क्षण आज भी चंडीगढ़ को बॉलीवुड और पंजाबी फिल्म निर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करता है।



Desh Bhagat Global School Opens New Academic Session with Spiritual Fervor

The new academic session at Desh Bhagat Global School, Mandi Gobindgarh, commenced on a spiritually uplifting note, filled with enthusiasm and positivity. The occasion was marked by the recitation of Shri Sukhmani Sahib Path, followed by soulful Shabad Kirtan on the school premises under the esteemed guidance of Principal Ms. Indu Sharma.

The serene ambiance created an atmosphere of peace and devotion across the campus. Karah Prasad was distributed among students and staff, invoking divine blessings for a successful and prosperous year ahead.

On this auspicious beginning, the school community reaffirmed its commitment to providing quality education, instilling strong moral values, and shaping a bright future for every student. Students also pledged to approach their academic journey with renewed dedication, energy, and enthusiasm.

The new session extended a warm welcome to both new and existing students, fostering a sense of belonging and joy. Chairman Dr. Zora Singh, General Secretary Dr. Tajinder Kaur, and Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, along with members of DBU, conveyed their blessings and encouraged students to remain disciplined, sincere, and focused in their academic pursuits.



देश भगत ग्लोबल स्कूल ने नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ आध्यात्मिक उल्लास के साथ किया

देश भगत ग्लोबल स्कूल, मंडी गोबिंदगढ़ में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ आध्यात्मिक ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्या श्रीमती इंदु शर्मा के मार्गदर्शन में भावपूर्ण शब्द कीर्तन हुआ।

शांति और पवित्र वातावरण ने पूरे परिसर को भक्ति और शांति से ओत-प्रोत कर दिया। विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच प्रसाद वितरित किया गया, जिससे आने वाले वर्ष के सफल और समृद्ध होने की कामना की गई।

इस शुभ अवसर पर विद्यालय परिवार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, उच्च नैतिक मूल्यों का संचार करने तथा प्रत्येक छात्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। विद्यार्थियों ने भी नव उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

नए सत्र के अवसर पर नए एवं पुराने सभी विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया गया, जिससे अपनत्व और आनंद का वातावरण बना। स्कूल के चेयरमैन डॉ. जोरा सिंह, महासचिव डॉ. तजिंदर कौर तथा कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती सहित डीबीयू के सदस्यों ने अपने आशीर्वाचन दिए और विद्यार्थियों को अनुशासित, ईमानदार एवं अपने अध्ययन के प्रति एकाग्र रहने के लिए प्रेरित किया।



Desh Bhagat University Hosts Insightful Expert Talk on Medical Device Regulatory Guidelines

The Placebo Club, School of Pharmacy, S. Lal Singh Memorial College of Pharmacy, and Mata Jarnail Kaur College of Pharmacy, Desh Bhagat University, in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC) and Internal Quality Assurance Cell (IQAC), successfully organized a virtual Expert Talk on "Regulatory Guidelines in Medical Devices."

The session was delivered by Mr. Gaurav Kapila, U.S. Head, Regulatory Affairs (Lab Instruments and Software Chapter), Roche Diagnostics, Indianapolis, USA. The expert talk aimed to provide comprehensive insights into global regulatory frameworks, focusing on approval pathways, compliance requirements, and documentation standards in key markets such as the U.S. and Europe.

The session emphasized regulatory affairs as a promising career domain, highlighting industry practices, emerging trends, and essential skill sets. Real-world case studies enriched participants' understanding by connecting theoretical knowledge with practical applications.

The event witnessed active participation from B.Pharmacy students and faculty members, with an engaging Q&A session that clarified key concepts and career prospects in regulatory affairs.

Outcomes of the expert talk were Developed a strong understanding of global regulatory frameworks and compliance standards, gained valuable insight into documentation processes and quality assurance practices, Acquired exposure to current industry trends and real-world challenges, Increased awareness of career opportunities in regulatory affairs, Strengthened the connection between academic learning and industry practices.

Dr. Puja Gulati, Director, School of Pharmacy, delivered the Vote of Thanks, expressing gratitude to the speaker and all organizing bodies, faculty, students, and the IT team for ensuring the event's success. Ms. Khushpal Kaur and Dr. Shailash Kumar were also present on the occasion.

The session proved highly informative and impactful, broadening participants' perspectives on regulatory compliance and inspiring students to explore careers in the healthcare and regulatory sectors.



देश भगत विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा उपकरण विनियामक दिशानिर्देशों पर ज्ञानवर्धक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

देश भगत विश्वविद्यालय के अंतर्गत एस. लाल सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मसी, माता जरनैल कौर कॉलेज ऑफ फार्मसी तथा स्कूल ऑफ फार्मसी के प्लेसिबो क्लब ने संस्थान के इनोवेशन काउंसिल (एफ) एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (एफ।के) के सहयोग से "चिकित्सा उपकरणों में विनियामक दिशानिर्देश" विषय पर एक वर्चुअल विशेषज्ञ व्याख्यान का सफल आयोजन किया।

इस सत्र का संचालन श्री गौरव कपिला, यू.एस. हेड, रेगुलेटरी अफेयर्स (लैब इंस्ट्रूमेंट्स एवं सॉफ्टवेयर प्रभाग), रोश डायग्नोस्टिक्स, इंडियानापोलिस (अमेरिका) द्वारा किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य वैश्विक विनियामक ढाँचों की व्यापक जानकारी प्रदान करना था, जिसमें अनुमोदन प्रक्रियाएँ, अनुपालन आवश्यकताएँ तथा दस्तावेजीकरण मानक शामिल थे, विशेष रूप से अमेरिका एवं यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों पर केंद्रित।

सत्र में विनियामक मामलों को एक उभरते हुए करियर क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें उद्योग की कार्यप्रणाली, नवीन प्रवृत्तियाँ तथा आवश्यक कौशलों पर प्रकाश डाला गया। वास्तविक जीवन के अध्ययन (केस स्टडी) के माध्यम से प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोग से जोड़ने में सहायता मिली।

इस कार्यक्रम में बी. फार्मसी के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में महत्वपूर्ण अवधारणाओं तथा करियर संभावनाओं पर स्पष्टता प्राप्त हुई।

विशेषज्ञ व्याख्यान के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहेकृ प्रतिभागियों ने वैश्विक विनियामक ढाँचों एवं अनुपालन मानकों की सुदृढ़ समझ विकसित कीय दस्तावेजीकरण प्रक्रियाओं एवं गुणवत्ता आश्वासन पद्धतियों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कीय वर्तमान औद्योगिक प्रवृत्तियों एवं वास्तविक चुनौतियों से परिचित हुएय विनियामक क्षेत्र में करियर अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ीय तथा शैक्षणिक अध्ययन एवं औद्योगिक व्यवहार के मध्य संबंध सुदृढ़ हुआ।

डॉ. पूजा गुलाटी, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मसी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए वक्ता, आयोजकों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं आईटी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुश्री खुशपाल कौर एवं डॉ. शैलेश कुमार भी उपस्थित रहे।

यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रभावशाली सिद्ध हुआ, जिसने प्रतिभागियों के दृष्टिकोण का विस्तार किया तथा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं विनियामक क्षेत्रों में करियर अपनाने हेतु प्रेरित किया।



DBU Marks World Health Day with Impactful Awareness Drive

Desh Bhagat University (DBU) observed World Health Day with a series of engaging and awareness-focused activities, reinforcing the importance of health and well-being among students and the community. Celebrated annually on April 7 to mark the founding of the World Health Organization (WHO), the day highlights key global health concerns.

The event was jointly organized by the Departments of Nursing, Dental, and Pharmacy in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC) and Internal Quality Assurance Cell (IQAC), under the theme "Together for Health: Stand with Science." Student-led clubs, including the Placebo Club, Dentistry Club, and Community Club, played a vital role in making the initiative a success.

A variety of activities such as an E-Poster Presentation Competition, model exhibitions, health awareness campaigns, quiz contests, and a free health check-up camp were conducted, drawing enthusiastic participation.

Taking the initiative beyond campus, B.Sc. Nursing 3rd semester students conducted awareness drives at Civil Hospital Khanna and Civil Hospital Fatehgarh Sahib. Through informative talks and skits, they educated the public on essential health practices.

Dr Zora Singh Chancellor, Tajinder Kaur Pro-Chancellor and Dr Harsh Sadawarti Vice Chancellor of Desh Bhagat University appreciated the departments for celebrating World Health Day.

The event concluded with the recognition and felicitation of winners, making the celebration both informative and inspiring.

डीबीयू ने विश्व स्वास्थ्य दिवस को प्रभावशाली जागरूकता अभियान के साथ मनाया

देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विविध रोचक एवं जागरूकता-केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे विद्यार्थियों और समुदाय के बीच स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को सुदृढ़ किया गया। यह दिवस प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है और वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख मुद्दों को उजागर करता है।

इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन नर्सिंग, डेंटल एवं फार्मसी विभागों द्वारा संस्थान की इन्निवेशन काउंसिल (IIC) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के सहयोग से "स्वास्थ्य के लिए साथ मिलकर: विज्ञान के साथ खड़े हों" विषय के अंतर्गत किया गया। प्लेसीबो क्लब, डेंटिस्ट्री क्लब तथा कम्युनिटी क्लब जैसे छात्र-नेतृत्व वाले समूहों ने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर ई-पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता, मॉडल प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें उत्साहपूर्ण सहभागिता देखी गई।

परिसर से बाहर पहल को आगे बढ़ाते हुए बी.एससी. नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सिविल अस्पताल खन्ना और सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में जागरूकता अभियान चलाए। उन्होंने जानकारीपूर्ण व्याख्यानों और लघु नाटिकाओं के माध्यम से आम जनता को आवश्यक स्वास्थ्य आदतों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम का समापन विजेताओं के सम्मान एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिससे यह आयोजन ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बना।

डॉ. जोरा सिंह कुलाधिपति, तजिंदर कौर प्रो-कुलाधिपति और डॉ. हर्ष सदावर्ती उप कुलपति देश भगत विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की सराहना की।



Desh Bhagat University Signs MoU with Bangladesh Institutions, Hosts Lecture on South Asian Literature Evolution

The Faculty of Social Sciences and Languages at Desh Bhagat University successfully organized a Memorandum of Understanding (MoU) signing ceremony with Dhaka International University and Bangladesh Center for Research and Planning. This was followed by an expert lecture on "From Tradition to Transformation: The Rise of Modern Literature in South Asia."

The event kicked off at the Chancellor Secretariat with a formal welcome for delegates from the Bangladeshi institutions. Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur of DBU signed the MoU in the presence of Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti and Pro-Vice-Chancellor Professor Amarjit Singh.

The group then moved to the Faculty for the academic session, which began with a welcome address by Dr. Renu Sharma, Incharge of the Faculty. Professor Amarjit Singh congratulated attendees, stressing the value of international collaborations and interdisciplinary learning.

Prof. Shah Alam Chowdhary, Department of English, Student Welfare Adviser, and Additional Registrar at Dhaka International University, delivered the keynote lecture. He traced South Asian literature's shift from traditional roots to modern global relevance. Professor Dharminder Singh proposed the Vote of Thanks, followed by the National Anthem. Dignitaries enjoyed lunch at Vyanjan afterward.

This event strengthens academic ties and cultural exchange, underscoring Desh Bhagat University's dedication to global scholarship.



देश भगत विश्वविद्यालय ने बांग्लादेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, दक्षिण एशियाई साहित्य के विकास पर व्याख्यान आयोजित

देश भगत विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं भाषा संकाय द्वारा ढाका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी तथा बांग्लादेश सेंटर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग के साथ समझौता ज्ञापन (डवन) हस्ताक्षर समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसके पश्चात "परंपरा से परिवर्तन तक: दक्षिण एशिया में आधुनिक साहित्य का उदय" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलाधिपति सचिवालय में बांग्लादेशी संस्थानों से आए प्रतिनिधियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुआ। कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह एवं प्रो-कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर ने कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती तथा प्रो-उपकुलपति प्रोफेसर अमरजीत सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इसके पश्चात समूह शैक्षणिक सत्र के लिए संकाय में गया, जिसकी शुरुआत संकाय प्रभारी डॉ. रेणु शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। प्रोफेसर अमरजीत सिंह ने उपस्थित जनों को बधाई देते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं अंतर्विषयक शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

ढाका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर, छात्र कल्याण सलाहकार एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार प्रो. शाह आलम चौधरी ने मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने दक्षिण एशियाई साहित्य की पारंपरिक जड़ों से आधुनिक वैश्विक प्रासंगिकता तक की यात्रा का विश्लेषण किया।

प्रोफेसर धर्मिंदर सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ। तत्पश्चात सभी गणमान्य व्यक्तियों ने व्यंजन में दोपहर का भोजन ग्रहण किया।

यह कार्यक्रम शैक्षणिक संबंधों एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करता है तथा वैश्विक विद्वत्ता के प्रति देश भगत विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

DesH Bhagat University Hosts One-Day Workshop on Entrepreneurship & Business Model Canvas

DesH Bhagat University successfully organized a one-day workshop titled “Discover the Entrepreneur Within – Business Model Canvas (BMC) and Business Model Fit”. The event was conducted by the Department of Business Management and Commerce in collaboration with the Institution’s Innovation Council (IIC), drawing enthusiastic participation from students and faculty members.

The workshop aimed to foster entrepreneurial thinking and equip participants with practical tools to develop innovative business ideas. The session primarily focused on understanding and applying the Business Model Canvas (BMC) to design, analyze, and refine business strategies for startups and existing ventures.

The event commenced with a welcome address by Dr. Tavneet K Reen. Distinguished dignitaries present included Dr. Zora Singh, Hon’ble Chancellor and Dr. Tajinder Kaur, Hon’ble Pro-Chancellor, as chief guests. Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, Pro Vice Chancellor Dr. G.S. Batra, and Dr. Gurwinder Pal Singh attended as special guests.

The keynote speaker, Dr. Shalini Gupta, a distinguished professor and former Vice Chancellor of the university, shared valuable insights on innovation, value creation, and aligning business ideas with market demands.

Through interactive discussions, case studies and hands-on exercises, participants gained practical exposure to building effective business models.

In his address, Dr. Zora Singh appreciated the initiative and highlighted the importance of such programs in nurturing innovation and entrepreneurial skills among students. The event concluded with a vote of thanks by Dr. Nidhi Gupta, who acknowledged the contributions of the speaker, organizers, and participants.

देश भगत यूनिवर्सिटी में उद्यमिता और बिजनेस मॉडल कैनवस पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

देश भगत यूनिवर्सिटी द्वारा ‘अपने अंदर के उद्यमी की खोज करें – बिजनेस मॉडल कैनवस (BMC) और बिजनेस मॉडल फिट’ शीर्षक के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के इनोवेशन काउंसिल (IIC) के सहयोग से बिजनेस मैनेजमेंट और कॉमर्स विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य उद्यमशील सोच को बढ़ावा देना और प्रतिभागियों को नवीन व्यावसायिक विचारों को विकसित करने के लिए व्यावहारिक उपकरणों से सुसज्जित करना था। सत्र मुख्य रूप से स्टार्टअप और मौजूदा उद्यमों के लिए व्यावसायिक रणनीतियों को डिजाइन, विश्लेषण और सुधारने हेतु बिजनेस मॉडल कैनवस (टडब) को समझने और लागू करने पर केंद्रित था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. तवनीत के. रीन के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह और प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वाइस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती, डॉ. जी.एस. बत्रा प्रो-वाइस चांसलर और डॉ. गुरविंदर पाल सिंह विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल हुए।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता, एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर और देश भगत यूनिवर्सिटी की पूर्व वाइस चांसलर, डॉ. शालिनी गुप्ता ने नवाचार, मूल्य सृजन और बाजार की मांगों के साथ व्यावसायिक विचारों को समन्वित करने पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

इंटरैक्टिव चर्चाओं, केस स्टडी और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों ने प्रभावी व्यावसायिक मॉडल तैयार करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

अपने संबोधन में चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने इस पहल की सराहना की और छात्रों में नवाचार तथा उद्यमिता कौशल को प्रोत्साहित करने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का समापन बिजनेस मैनेजमेंट और कॉमर्स विभाग की निदेशक डॉ. निधि गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, आयोजकों और प्रतिभागियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।



DesH Bhagat University Welcomes Freshers with Cultural Fest and Talent Showcase

The School of Hotel Management & Tourism at Desh Bhagat University successfully organized its Freshers Party 2026, titled "Celebrate the Beginning," with great zeal and excitement.

The event aimed to warmly welcome newly admitted students and provide them with a platform to interact, showcase their talents, and develop a strong sense of belonging within the department.

The event featured a variety of cultural performances, including dance, music, and fun-filled activities, creating an atmosphere filled with enthusiasm and joy.

Freshers actively participated in talent rounds and interactive sessions, confidently displaying their creativity and skills.

The event was graced by the esteemed presence of Dr. Zora Singh, Hon'ble Chancellor and Dr. Tajinder Kaur, Hon'ble Pro-Chancellor and Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti who addressed the gathering and inspired students to make the most of their academic journey. Their encouraging words motivated freshers to focus on both personal and professional growth.

The program was organized under the guidance of Dr. Aman Sharma, Director of the School of Hotel Management & Tourism and the dedicated efforts of faculty members, including Dr. Rupinder Kaur, Gurkiran Singh, Nivedita, and Srishti, who worked tirelessly to ensure its smooth execution.

A key highlight of the event was the title distribution ceremony, where students were honored with titles such as Mr. Fresher and Ms. Fresher, along with several fun categories recognizing their confidence, talent, and overall personality.



देश भगत यूनिवर्सिटी द्वारा फ्रेशर पार्टी 2026 के साथ नए विद्यार्थियों का स्वागत

देश भगत यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड टूरिज्म द्वारा फ्रेशर पार्टी 2026 'सेलिब्रेट द बिगिनिंग' का जोश और उत्साह के साथ आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत करना और उन्हें आपस में बातचीत करने, अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने तथा विभाग के भीतर अपनापन विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

इस आयोजन में विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें नृत्य, संगीत और मनोरंजक गतिविधियां शामिल थीं।

इस अवसर पर नए विद्यार्थियों ने प्रतिभा प्रदर्शन और इंटरैक्टिव सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और वाइस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक सफर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने नए विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और पेशेवर विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड टूरिज्म के निदेशक डॉ. अमन शर्मा के नेतृत्व में तथा डॉ. रुपिंदर कौर, गुरकिरण सिंह, निवेदिता और सृष्टि सहित फैकल्टी सदस्यों के समर्पित प्रयासों से आयोजित किया गया, जिन्होंने इसे सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए अथक मेहनत की।

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण टाइटल वितरण समारोह था, जहां विद्यार्थियों को मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर जैसे खिताबों से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उनके आत्मविश्वास, प्रतिभा और समग्र व्यक्तित्व को सराहने के लिए कई रोचक श्रेणियों में भी सम्मानित किया गया।

Desh Bhagat University Launches 'Vaisakhi Vardaan' Scholarship Scheme to Empower Families of Sewadars

Desh Bhagat University (DBU) has announced a special scholarship scheme, "Vaisakhi Vardaan – Empowering the Hands that Serve," on the occasion of Baisakhi. The initiative, launched in collaboration with Gurdwara Sahib Patshahi Dasvin, Sector 8, Chandigarh, aims to honour the service of Sewadars and Gurudwara staff.

The scholarship is exclusively for the wards and dependents of Gurudwara Sahib employees and Sewadars, helping them access quality higher education. As per the official announcement, eligible students will benefit from: 25% scholarship on all UGC-regulated regular programs, including Diploma, Undergraduate and Postgraduate courses, 50% scholarship on Online Learning (OL) and Open & Distance Learning (ODL) programs.

Covering disciplines from Engineering and Management to Arts, Media and Hospitality, the scheme spans programs from Diploma to PhD, ensuring broad academic access. It will be applicable for the 2026–27 academic session, subject to eligibility norms.

Speaking on the initiative, Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh stated,

"At Desh Bhagat University, we firmly believe in honouring the spirit of 'Seva'. Through 'Vaisakhi Vardaan', we are taking a humble step towards transforming service into empowerment by providing quality education opportunities to the families of those who selflessly serve society.

On this occasion, Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University (DBU), distributed dastars to outstanding students from different schools of the Tricity. He also presented scholarship documents to S. DPS Chugh, Vice President, along with S. Bhupinder Singh and S. Satnam Singh of Gurdwara Sahib Patshahi Dasvin, Sector 8, Chandigarh.

The move reinforces DBU's vision of inclusive, value-based education and its commitment to building a brighter future through equal opportunities.



देश भगत यूनिवर्सिटी ने सेवादारों के परिवारों के लिए शुरु की 'बैसाखी वरदान' स्कॉलरशिप योजना

देश भगत यूनिवर्सिटी (डीबीयू) ने बैसाखी के अवसर पर एक विशेष स्कॉलरशिप योजना 'बैसाखी वरदान – सेवा करने वाले हाथों को सशक्त बनाना' की घोषणा की है। गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवीं, सेक्टर 8, चंडीगढ़ के सहयोग से शुरु की गई इस पहल का उद्देश्य सेवादारों और गुरुद्वारा स्टाफ की सेवा का सम्मान करना है।

यह स्कॉलरशिप विशेष रूप से गुरुद्वारा साहिब के कर्मचारियों और सेवादारों के बच्चों एवं आश्रितों के लिए है, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, पात्र विद्यार्थियों को डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सहित सभी यूजीसी-मान्यता प्राप्त नियमित पाठ्यक्रमों पर 25% स्कॉलरशिप दी जाएगी, जबकि ऑनलाइन लर्निंग (OL) और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) कार्यक्रमों पर 50% स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट से लेकर आर्ट्स, मीडिया और हॉस्पिटैलिटी तक विभिन्न विषयों को कवर करते हुए, यह योजना डिप्लोमा से लेकर पीएचडी स्तर तक के कार्यक्रमों के लिए लागू होगी, जिससे व्यापक शैक्षणिक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह योजना यूनिवर्सिटी के निर्धारित पात्रता मानदंडों के तहत 2026–27 शैक्षणिक सत्र से लागू होगी।

इस पहल पर बोलते हुए माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी में हम 'सेवा' की भावना का सम्मान करने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। 'बैसाखी वरदान' योजना के माध्यम से हम समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्रदान कर सेवा को सशक्तिकरण में बदलने की दिशा में एक विनम्र प्रयास कर रहे हैं।

इस अवसर पर, देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह ने ट्राइसिटी के विभिन्न विद्यालयों के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को दस्तारें वितरित कीं। उन्होंने उपाध्यक्ष श्री डीपीएस चुघ, श्री भूपिंदर सिंह और श्री सतनाम सिंह (गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवीं, सेक्टर 8, चंडीगढ़) को छात्रवृत्ति से संबंधित दस्तावेज भी प्रदान किए। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम डीबीयू के समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा के दृष्टिकोण को मजबूत करता है तथा समान अवसरों के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



DBU Partners with Convex Healthcare to Open Global Career Pathways for Nursing Students

Desh Bhagat University (DBU), a NAAC A+ accredited multidisciplinary institution, has taken a major step toward enhancing global employability for its students by signing a strategic Memorandum of Understanding (MoU) with Convex Healthcare Pvt. Ltd..

The MoU was formally signed by Mohammad Nazim, Chief Growth & Academic Relations at Convex Healthcare, and Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of DBU.

Dr. Lovesampuranjot Kaur, Principal, School of Nursing and Dr. Prabhjot Singh, Deputy Director, also present on the occasion.

The partnership is designed to create structured international career pathways for nursing students by bridging the gap between academic training and global workforce requirements. With a focus on the healthcare sector, the collaboration aims to equip students with industry-relevant skills and facilitate overseas employment opportunities.

Under the MoU, nursing students will undergo comprehensive training that includes German language proficiency up to the B2 level, soft skills development, and specialized healthcare competencies aligned with international standards. This preparation is expected to significantly enhance their readiness for global job markets.

Eligible students will also benefit from placement assistance in countries such as Germany. The initiative includes pre-placement support, including conditional job offers, ensuring a smooth transition from education to employment.

Speaking on the occasion, Dr. Harsh Sadawarti emphasized the university's commitment to global excellence. "At Desh Bhagat University, we are dedicated to aligning our academic ecosystem with international workforce demands. This collaboration with Convex Healthcare marks a significant milestone in empowering our students with global career opportunities."

The partnership will further explore the introduction of specialized courses tailored to international healthcare requirements, reinforcing DBU's focus on skill-based and outcome-driven education.



देश भगत यूनिवर्सिटी द्वारा नर्सिंग छात्रों के लिए वैश्विक करियर मार्ग तैयार करने हेतु कन्वेक्स हेल्थकेयर के साथ समझौता हस्ताक्षर

देश भगत यूनिवर्सिटी NAAC A+ मान्यता प्राप्त बहु-विषयक संस्थान, ने कन्वेक्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके अपने छात्रों की वैश्विक रोजगार क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस समझौते पर औपचारिक रूप से कन्वेक्स हेल्थकेयर के चीफ ग्रोथ एंड अकादमिक रिलेशंस मोहम्मद नाज़िम और देश भगत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डॉ. लवसंपूर्णजोत कौर, प्रिंसिपल, स्कूल ऑफ नर्सिंग और डॉ. प्रभजोत सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, भी उपस्थित थे।

यह साझेदारी नर्सिंग छात्रों के लिए संरचित अंतरराष्ट्रीय करियर मार्ग तैयार करने के उद्देश्य से की गई है, जो अकादमिक शिक्षा और वैश्विक कार्यबल की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र पर केंद्रित इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों को उद्योग से जुड़े कौशल प्रदान करना और विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

इस समझौते के तहत नर्सिंग छात्रों को व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें जर्मन भाषा में ट2 स्तर तक दक्षता, सॉफ्ट स्किल्स का विकास और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विशेष स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित योग्यताएं शामिल होंगी। इससे उनकी वैश्विक नौकरी बाजार के लिए तैयारी में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। योग्य छात्रों को जर्मनी जैसे देशों में प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. हर्ष सदावर्ती ने यूनिवर्सिटी की वैश्विक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कन्वेक्स हेल्थकेयर के साथ यह सहयोग हमारे छात्रों को वैश्विक करियर अवसरों से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

उन्होंने आगे कहा कि यह साझेदारी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष पाठ्यक्रमों की शुरुआत की संभावनाओं को भी तलाशेगी, जिससे कौशल-आधारित और परिणाम-आधारित शिक्षा पर यूनिवर्सिटी का फोकस और मजबूत होगा।

Desh Bhagat Global School Achieves 100% Success in CBSE Class X Results

Desh Bhagat Global School (DBGS) has once again demonstrated academic excellence by securing a remarkable 100% result in the CBSE Class X Board Examinations. The achievement has brought immense pride to students, parents, and the entire school community.

Living by the belief that “a little progress each day adds up to big results,” the school celebrated outstanding individual performances. Tanushree emerged as the top scorer, securing the 1st position, followed by Angel Bhagrana, Ruhaniyatdeep Kaur and Mehakpreet Kaur, who achieved the 2nd, 3rd, and 4th positions respectively.

The school also recognized its subject toppers, including Dilshahbaz Singh, Yashi, Navneet Kaur, Gurpreet Kaur, Jaskirat Kaur, Karanveer Singh, Ekamjot Kaur, Jasmeet Singh Dhillon, Kritika Rana, Simarjot Kaur, Parneet Kaur, Yashdeep Singh, Gurleen Kaur, Arshpreet Kaur, Kudrat Singh, Ashmanjot Singh, Gurleen Kaur, and Kamalpreet Singh.

Students expressed heartfelt gratitude to the school management, Principal, and teachers for their constant support and guidance.

School Chairman Dr. Zora Singh and General Secretary Dr. Tajinder Kaur congratulated the students, parents, and staff, encouraging them to continue striving for excellence in all spheres.

Principal Ms. Indu Sharma praised the students for their dedication and hard work, extending her best wishes for their future endeavors.



देश भगत ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई दसवी कक्षा के परिणामों में किया शानदार प्रदर्शन

देश भगत ग्लोबल स्कूल (डीबीजीएस) के विद्यार्थियों ने एक बार फिर सीबीएसई दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार 100% परिणाम हासिल कर शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और पूरे स्कूल समुदाय को गर्व महसूस करवाया है।

इन उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शनों में तनुश्री ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि एंजल भगराना, रुहानियत दीप कौर और महक प्रीत कौर ने क्रमशः दूसरा, तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया।

स्कूल द्वारा विभिन्न विषयों के टॉपर्स को भी सम्मानित किया गया, जिनमें दिलशाहिबाज़ सिंह, यशी, नवनीत कौर, गुरप्रीत कौर, जसकीरत कौर, करणवीर सिंह, एकमजोत कौर, जसमीत सिंह दिल्ली, कृतिका राणा, सिमरजोत कौर, परनीत कौर, यशदीप सिंह, गुरलीन कौर, अर्शप्रीत सिंह और कमलप्रीत सिंह शामिल रहे।

इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों ने स्कूल प्रबंधन, प्रिंसिपल और अध्यापकों का उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए दिल से धन्यवाद किया।

इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन डॉ. जोरा सिंह और जनरल सेक्रेटरी डॉ. तजिंदर कौर ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ को बधाई दी और उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में स्कूल प्रिंसिपल इंदु शर्मा ने विद्यार्थियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

Grand Convocation Ceremony Celebrated; 48 Students Conferred Degrees

A grand convocation ceremony was successfully held under the joint aegis of Gratitude Wellness Retreat, Mohali, Gandhi Smarak Naturopathy Committee, New Delhi, and associated organizations.

The event was graced by the Chancellor of Desh Bhagat University, Dr. Zora Singh, as the Chief Guest. In his inspiring address, he emphasized that naturopathy and yoga are highly significant healthcare systems in today's era, helping not only in curing diseases but also in making life balanced, simple, and healthy. He encouraged students to move forward with a spirit of service, moral values, and dedication.

Special guest Keshav Bhai highlighted that naturopathy is a priceless heritage of Indian culture that must reach every individual. Sanjeev Sharma extended his best wishes to the students, stating that a degree is not just a certificate but a symbol of responsibility and service to society.

Dr. Ishita Sharma stressed the importance of health awareness, noting that adopting a natural lifestyle is key to building a healthy and strong society. K.K. Sharda added that the NDDY course should be pursued by everyone to ensure personal and family well-being.

The event was skillfully hosted by H.C. Gupta, whose engaging anchoring kept the ceremony lively throughout.

A total of 48 students were awarded degrees during the ceremony. Additionally, 19 distinguished individuals were honored for their remarkable contributions to the field of naturopathy and yoga.

Event coordinator Devaraj Tyagi expressed gratitude to all guests, participants, and supporters. The ceremony concluded with a vote of thanks, amid great enthusiasm and joy among students and their families.



दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन, 48 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्रियां

ग्रेटीट्यूड वेलनेस रिट्रीट, मोहाली एवं गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति, नई दिल्ली तथा सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आज एक भव्य दीक्षांत समारोह (बृदअवबंजपवद व्रतमउवदल) का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देश भगत यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. जोरा सिंह ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा और योग आज के युग की अत्यंत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पद्धतियां हैं, जो न केवल रोगों से मुक्ति दिलाती हैं, बल्कि जीवन को संतुलित, सरल और स्वस्थ बनाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज सेवा, नैतिक मूल्यों और समर्पण भाव के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित केशव भाई ने अपने विचार रखते हुए कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे जन-जन तक पहुंचाना आज की आवश्यकता है।

इसी क्रम में संजीव शर्मा ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह डिग्री केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का प्रतीक है।

डॉ. इशिता शर्मा ने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर ही हम एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। वहीं श्री के.के. शारदा जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि छक्कल कोर्स प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए, ताकि वह स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रख सके।

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन एच.सी. गुप्ता द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी सशक्त मंच संचालन शैली से पूरे समारोह को जीवंत बनाए रखा।

इस अवसर पर कुल 48 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें द्वारका प्रसाद शर्मा, कमलेश शर्मा, संदीप कुमार, डॉ. अनूप गोयल, राजेश सिंह सोलंकी, नेहा सोलंकी, आरती चौहान, ज्योति कौर, डॉ. जिगना, नवदीप बंसल, एडवोकेट जसपाल चंद, वीरेंद्र शर्मा, अंजू अमनदीप ग्रोवर, एस.पी. सिंह, राजीव गांधी, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. छवि जैन, डॉ. विजय, मीनू गुप्ता, डॉ. चित्रा, डॉ. पंकज कपूर सहित अन्य शामिल रहे।

इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 19 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. संतोष गर्ग, डॉ. अनूप गोयल, डॉ. इशिता शर्मा, डॉ. इशांत शर्मा, श्री ए.एस. चौहान, प्रिया ठाकुर, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. एच.सी. शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

कार्यक्रम के संयोजक देवराज त्यागी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह एवं हर्षोल्लास देखने को मिला। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई।



Renowned Medical Experts Release Second Volume of 'Chest Medicine with Selected Topics' at DBU

The second volume of the book "Chest Medicine with Selected Topics", authored by eminent medical professionals Dr. R.S. Bhatia, Senior Pulmonary Physician; Dr. Kanchan Bhardwaj, Professor and Head of Pathology; and Dr. B.L. Bhardwaj, Pro Vice-Chancellor of Desh Bhagat University, was formally released.

The book was unveiled by Dr. Zora Singh, Hon'ble Chancellor of Desh Bhagat University. The occasion was also graced by Dr. Tajinder Kaur, Hon'ble Pro-Chancellor of the University.

Congratulating the authors, Dr. Zora Singh lauded their academic contribution and expressed confidence that the book would serve as a valuable resource for medical undergraduates as well as practicing physicians.



प्रख्यात चिकित्सकीय विशेषज्ञों ने डीबीयू में 'चेस्ट मेडिसिन विद सेलेक्टेड टॉपिक्स' का द्वितीय खंड जारी किया

"चेस्ट मेडिसिन विद सेलेक्टेड टॉपिक्स" पुस्तक का द्वितीय खंड, जिसे विख्यात चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. भाटिया (वरिष्ठ फुफ्फुसीय रोग विशेषज्ञ, लुधियाना), डॉ. कंचन भारद्वाज (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी) तथा डॉ. बी.एल. भारद्वाज (प्रो-वाइस चांसलर, देश भगत विश्वविद्यालय) द्वारा रचित किया गया है, का विधिवत विमोचन किया गया।

इस पुस्तक का अनावरण देश भगत विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. ज़ोरा सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की माननीय प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर भी उपस्थित रहीं।

लेखकों को बधाई देते हुए डॉ. ज़ोरा सिंह ने उनके शैक्षणिक योगदान की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक चिकित्सा के स्नातक विद्यार्थियों तथा कार्यरत चिकित्सकों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ सिद्ध होगी।



DBU Hosts Insightful Seminar on World IP Day 2026, Emphasizing Innovation in Sports

The AGRIM Club of the Faculty of Agriculture and Life Sciences, in association with the Institution's Innovation Council (IC) and the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) at Desh Bhagat University, successfully hosted a thought-provoking seminar on World Intellectual Property Day 2026 at the university campus. The event was held under this year's global theme, "Insights into IP and Sports: Ready, Set, Innovate," and highlighted the critical role of intellectual property rights (IPR) in driving innovation, creativity, and entrepreneurship in the sports and research domains.

The programme commenced with the arrival of esteemed dignitaries, including Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur and Vice-Chancellor Prof. (Dr.) Harsh Sadawarti. The session also welcomed distinguished resource persons Prof. (Dr.) Balwinder Singh Sooch from Punjabi University, Patiala, and Dr. Ruchi Singla, Scientific Advisor to IP India.

Prof. (Dr.) H. K. Sidhu, Dean of the Faculty of Agriculture and Life Sciences, delivered the welcome address and introduced the resource persons, underlining the growing importance of IPR in today's innovation-driven academic and industrial landscape. In his address, Vice-Chancellor Prof. (Dr.) Harsh Sadawarti inspired students to actively pursue innovation while systematically protecting their creative ideas through formal intellectual property mechanisms.

The seminar featured two expert sessions. Prof. (Dr.) Balwinder Singh Sooch shared insights on the role of intellectual property in research, innovation, and the sports sector, explaining how patents, trademarks, and designs support athletes, equipment manufacturers, and sports-tech ventures. Dr. Ruchi Singla provided practical guidance on intellectual property rights, focusing on procedures for filing, benefits for innovators and entrepreneurs, and effective strategies to leverage IPR for competitive advantage.

An engaging interactive session followed, during which participants discussed key aspects of intellectual property and entrepreneurship, including challenges faced by student-innovators and farmers in securing their inventions. The speakers were felicitated by the Hon'ble Chancellor and Pro-Chancellor for their valuable contributions to fostering an IP-aware ecosystem on campus.

The programme concluded with a vote of thanks by Dr. Avinash Kumar Bhatia, Academic Coordinator, who expressed gratitude to all dignitaries, speakers, organizers, and participants for their active involvement.

डीबीयू में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2026 पर विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन, खेलों में नवाचार पर जोर

श भगत विश्वविद्यालय के कृषि एवं जीवन विज्ञान संकाय के अग्रिम (AGRIM) क्लब ने संस्थान की नवाचार परिषद (एफ) तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2026 के अवसर पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष की वैश्विक थीम "बौद्धिक संपदा और खेल: तैयार, सतर्क, नवाचार" के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में खेल एवं अनुसंधान क्षेत्रों में नवाचार, सृजनात्मकता और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो-कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर तथा कुलपति प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती के आगमन से हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों के रूप में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. (डॉ.) बलविंदर सिंह सूच तथा आईपी इंडिया की वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. रुचि सिंगला भी उपस्थित रहीं।

कृषि एवं जीवन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) एच. के. सिद्धू ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का परिचय कराया और वर्तमान नवाचार-प्रधान शैक्षणिक एवं औद्योगिक परिदृश्य में बौद्धिक संपदा अधिकारों के बढ़ते महत्व पर बल दिया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती ने विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने तथा अपने रचनात्मक विचारों को औपचारिक बौद्धिक संपदा तंत्र के माध्यम से संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया।

संगोष्ठी में दो विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। प्रो. (डॉ.) बलविंदर सिंह सूच ने अनुसंधान, नवाचार एवं खेल क्षेत्र में बौद्धिक संपदा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पेटेंट, ट्रेडमार्क और डिज़ाइन किस प्रकार खिलाड़ियों, उपकरण निर्माताओं तथा स्पोर्ट्स-टेक उद्यमों को सहयोग प्रदान करते हैं। डॉ. रुचि सिंगला ने बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हुए आवेदन प्रक्रिया, नवप्रवर्तकों एवं उद्यमियों के लिए लाभ तथा प्रतिस्पर्धात्मक बढत प्राप्त करने हेतु प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा की।

इसके पश्चात एक रोचक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बौद्धिक संपदा एवं उद्यमिता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया, विशेषकर छात्र नवप्रवर्तकों एवं किसानों द्वारा अपने आविष्कारों को सुरक्षित करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई। वक्ताओं को विश्वविद्यालय परिसर में बौद्धिक संपदा जागरूकता को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए माननीय कुलाधिपति एवं प्रो-कुलाधिपति द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन अकादमिक समन्वयक डॉ. अविनाश कुमार भाटिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



DBU Hosts Special Lecture on Dr. B.R. Ambedkar's Vision of Social Justice

A special extension lecture was organized at Desh Bhagat University to mark the birth anniversary of Dr. B. R. Ambedkar. The event was jointly hosted by the Faculty of Social Sciences and Languages and the Faculty of Legal Studies.

The theme of the lecture was "Dr. B.R. Ambedkar: Constitution Making and Social Justice." The program was held under the inspiration of Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tejinder Kaur. It witnessed the participation of Dr Harsh Sadawarti Vice-Chancellor, senior faculty members, and a large number of students. Dr. Renu Sharma, in-charge of the Faculty of Social Sciences and Languages, delivered the welcome address and greeted the dignitaries, faculty, and students. Speakers elaborated on Dr. Ambedkar's constitutional vision and principles of social justice, urging students to draw inspiration from his ideals.

Delivering the keynote address, Dr. Jaiveer Singh, Principal of the Faculty of Legal Studies, stated that Articles 17 and 46 of the Constitution are the foundation of social democracy. He encouraged students to adopt the Constitution not just as an academic subject but as a guiding commitment in their lives.

Program coordinator and Head of the Hindi Department, Prof. Dr. Ajaypal Singh, highlighted that Dr. Ambedkar viewed language as a powerful tool for empowerment. He reiterated the enduring relevance of Ambedkar's message, "Educate, Organize, Agitate," and emphasized that social harmony and education are key to national progress.

Presiding over the event, Pro-Vice Chancellor Prof. Dr. Amarjeet Singh remarked that institutions must adopt an inclusive approach rather than remain neutral. He emphasized that true institution-building lies in inclusivity, as envisioned by Dr. Ambedkar, and urged students to live the values enshrined in the Constitution rather than merely memorizing them.

The program was conducted by Dr. Navninder Kaur Grewal and Prof. Dr. Ajaypal Singh. The event concluded with a vote of thanks by Prof. Ram Singh, who expressed gratitude to all participants.



देश भगत यूनिवर्सिटी में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के सामाजिक न्याय के -दृष्टिकोण पर विशेष व्याख्यान आयोजित

देश भगत यूनिवर्सिटी में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती को समर्पित एक विशेष एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान एवं भाषाएं फ़ैकल्टी और फ़ैकल्टी ऑफ़ लीगल स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान का विषय था 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर: संविधान निर्माण और सामाजिक न्याय।' यह कार्यक्रम चांसलर डॉ. जोरा सिंह और प्रो-चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर की प्रेरणा से आयोजित किया गया, जिसमें वाइस-चांसलर डा. हर्ष सदावर्ती, वरिष्ठ फ़ैकल्टी सदस्यों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी रही।

सामाजिक विज्ञान एवं भाषाएं फ़ैकल्टी की इंचार्ज डॉ. रेनू शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और अतिथियों, फ़ैकल्टी सदस्यों तथा विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के संवैधानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों से उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मुख्य वक्तव्य देते हुए फ़ैकल्टी ऑफ़ लीगल स्टडीज के प्रिंसिपल डॉ. जयवीर सिंह ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 17 और 46 सामाजिक लोकतंत्र की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान को केवल एक अकादमिक विषय के रूप में नहीं, बल्कि अपने जीवन में एक मार्गदर्शक प्रतिबद्धता के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम समन्वयक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अजयपाल सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. अंबेडकर भाषा को सशक्तिकरण का एक प्रभावशाली माध्यम मानते थे। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' की निरंतर प्रासंगिकता को दोहराया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो-वाइस चांसलर प्रो. डॉ. अमरजीत सिंह ने कहा कि संस्थानों को निष्पक्ष बने रहने के बजाय समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्चा संस्थान-निर्माण डॉ. अंबेडकर द्वारा कल्पित समावेशिता में निहित है, और विद्यार्थियों से संविधान में निहित मूल्यों को केवल याद रखने के बजाय उन्हें जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवनींदर कौर ग्रेवाल और प्रो. डॉ. अजयपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन प्रो. राम सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



Path Finder 3.0: Desh Bhagat University Hosts Mega Tech Fest with ₹10 Lakh Funding Pledge and ₹70,000 Cash Prizes

Desh Bhagat University successfully organized its flagship two-day tech fest, "Path Finder 3.0 – Exploring Innovation, Creativity and Competition." The event was jointly hosted by the Faculty of Engineering Technology and Computing (FOETC) and the Faculty of Agriculture and Life Sciences, attracting participation from over 30 teams representing universities and colleges across Punjab, Delhi, and nearby regions.

The fest provided a dynamic platform to promote innovation, technical excellence, entrepreneurship, and holistic development, featuring activities such as hackathons, ideathons, technical quizzes, poster-making competitions, startup pitches, gaming events, and a DJ night.

The inaugural session began with an inspiring address by Prof. (Dr.) Harsh Sadawarti, Vice Chancellor, who emphasized the importance of innovation, research, and bridging the gap between academia and real-world applications. Dr. Khushboo Bansal, Deputy Director FOETC, outlined the vision of the event, highlighting the importance of interdisciplinary learning and strong industry-academia collaboration.

Mr. Puneet Verma, President of TIE Chandigarh, shared valuable entrepreneurial insights and encouraged students to explore startup opportunities.

A key highlight of the event was an expert session on Intellectual Property Rights by Prof. (Dr.) Deepinder Kaur Bakshi, Joint Director at the Punjab State Council for Science and Technology, who elaborated on patents and the importance of protecting innovative ideas. Prof. (Dr.) Shalini Gupta, Founder of Satv Amrut Wellness and former Vice Chancellor, emphasized the need to balance technical expertise with ethics and overall well-being.

The event also featured a distinguished investor and mentor panel, including Mr. Deepak Garg (Vibgyor Solution), Mr. Shibananda Dass (Investor & Author), Mr. Nitish Kumar Chawla (Ocean Gifting & Zoy Meal), Mr. Tathagat Kumar (Foundr Flow), Mr. Girish Mittal (Mittcons & Hompure), Mr. Pulkit Khurana (Red Wheels), and Mr. Nikhil Gupta (Startup Accelerator), who mentored participants and provided valuable feedback.

In a significant announcement, the university pledged over ₹10 lakh in funding support for top innovative teams, along with ₹70,000 in cash prizes, generating great enthusiasm among participants.

Throughout the event, mentors and judges actively evaluated participants as teams presented innovative prototypes and practical solutions to real-world challenges.

The event concluded with Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh appreciating the efforts of the organizers, faculty, and participants for fostering a culture of innovation and excellence. Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, Desh Bhagat University, also graced the occasion and appreciated the initiative and its impact.

Path Finder 3.0 emerged as a milestone event, equipping students with the skills, networks, and opportunities needed to transform ideas into successful ventures.



पाथ फाइंडर 3.0: देश भगत विश्वविद्यालय में भव्य टेक फेस्ट का आयोजन, ₹10 लाख वित्तीय सहायता और ₹70,000 नकद पुरस्कारों की घोषणा

देश भगत विश्वविद्यालय ने अपने प्रमुख द्विदिवसीय तकनीकी उत्सव "पाथ फाइंडर 3.0" नवाचार, सृजनशीलता एवं प्रतिस्पर्धा की खोज का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी एवं संगणन संकाय तथा कृषि एवं जीवन विज्ञान संकाय द्वारा किया गया, जिसमें पंजाब, दिल्ली एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 30 से अधिक टीमों ने भाग लिया।

इस उत्सव ने नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता, उद्यमिता एवं समय विकास को प्रोत्साहित करने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान किया। इसमें हैकथॉन, आइडियाथॉन, तकनीकी प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, स्टार्टअप प्रस्तुति, गेमिंग गतिविधियाँ तथा डीजे नाइट जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत कुलपति प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती के प्रेरणादायक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने नवाचार, अनुसंधान तथा शैक्षणिक लगन और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों के मध्य सेतु स्थापित करने के महत्व पर बल दिया। एफओईटीसी की उपनिदेशक डॉ. खुशबू बंसल ने कार्यक्रम की परिकल्पना प्रस्तुत करते हुए बहुविषयक अध्ययन एवं उद्योग-शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। टीआईआई चंडीगढ़ के अध्यक्ष श्री पुनीत वर्मा ने उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण विचार साझा किए तथा विद्यार्थियों को स्टार्टअप अवसरों की खोज के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण बौद्धिक संपदा अधिकारों पर विशेषज्ञ सत्र रहा, जिसे पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की संयुक्त निदेशक प्रो. (डॉ.) दीपिंदर कौर बक्शी ने संबोधित किया। उन्होंने पेटेंट एवं नवाचारी विचारों के संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) शालिनी गुप्ता, संस्थापक-सत्व अमृत वेलनेस एवं पूर्व कुलपति, ने तकनीकी दक्षता के साथ नैतिकता एवं समय स्वास्थ्य के संतुलन पर बल दिया।

कार्यक्रम में एक विशिष्ट निवेशक एवं मार्गदर्शक मंडल भी सम्मिलित रहा, जिसमें श्री दीपक गर्ग, श्री शिवानंद दास, श्री नीतीश कुमार चावला, श्री तथागत कुमार, श्री गिरीश मिश्र, श्री पुलकित खुराना एवं श्री निखिल गुप्ता शामिल थे। इन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया तथा मूल्यांकन सुझाव प्रदान किए।

एक महत्वपूर्ण घोषणा में विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट नवाचारी टीमों को ₹10 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा ₹70,000 नकद पुरस्कार देने की घोषणा की, जिससे प्रतिभागियों में अत्यधिक उत्साह उत्पन्न हुआ।

पूरे आयोजन के दौरान मार्गदर्शकों एवं निर्णायकों ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया, जबकि टीमों ने वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान हेतु नवाचारी प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का समापन कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह द्वारा आयोजकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों को प्रयासों की सराहना के साथ हुआ। प्रो-चान्सलर डॉ. तजिंदर कौर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस पहल की सराहना की।

पाथ फाइंडर 3.0 एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ, जिसने विद्यार्थियों को अपने विचारों को सफल उद्यमों में परिवर्तित करने हेतु आवश्यक कौशल, संपर्क एवं अवसर प्रदान किए।

Desh Bhagat University Signs MoU with NISD to Advance National Social Initiatives

In a significant step towards strengthening national social development efforts, Desh Bhagat University (DBU), Punjab, has entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with the National Institute of Social Defence (NISD), an autonomous body under the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India.

This strategic collaboration underscores a shared commitment to advancing inclusive growth, social empowerment, and community-driven development initiatives across the country. The MoU was formally signed by Dr. Sandeep Singh, Hon'ble President, Desh Bhagat University and Gaurav Rajawat, Director Social Justice and Empowerment, Government of India at Chintan Shivir held in Chandigarh.

The occasion was graced by the esteemed presence of Gulab Chand Kataria, Hon'ble Governor of Punjab and Administrator, Union Territory Chandigarh; Virendra Kumar, Hon'ble Union Minister for Social Justice and Empowerment; and B. L. Verma, Hon'ble Minister of State, along with other distinguished dignitaries from across the country.

The partnership aims to foster collaborative programs, research, training, and outreach initiatives aligned with key national missions and social priorities. Focus areas of the MoU include promotion of education-driven empowerment under "Shikshit Bharat," economic upliftment through "Samridh Bharat," and strengthening awareness and rehabilitation efforts under "Nasha Mukh Bharat." The collaboration will also emphasize capacity building, skill development, and community engagement initiatives, particularly targeting marginalized and vulnerable sections of society.

Through this alliance, Desh Bhagat University will actively contribute its academic expertise, research capabilities, and outreach networks to support evidence-based policymaking and implementation of social welfare programs. Joint initiatives may include training modules, awareness campaigns, field interventions, and impact-driven research projects in coordination with NISD and government agencies.

Speaking on the occasion, the leadership of Desh Bhagat University reiterated the institution's unwavering commitment to nation-building through education, innovation, and social responsibility. This collaboration reflects the university's vision to go beyond academics and actively participate in shaping a more inclusive, equitable, and empowered society.

This MoU also aligns with the broader national vision of "Viksit Bharat 2047," reinforcing the role of higher educational institutions as catalysts for transformative social change. By bridging academia with policy and grassroots implementation, the partnership is expected to create sustainable impact and scalable models for social development.



देश भगत विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय सामाजिक पहलों को आगे बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

राष्ट्रीय सामाजिक विकास प्रयासों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह रणनीतिक सहयोग समावेशी विकास, सामाजिक सशक्तिकरण तथा समुदाय-आधारित विकास पहलों को देशभर में आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस समझौते पर औपचारिक रूप से देश भगत विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक गौरव राजावत द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के माननीय केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार तथा राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा सहित देशभर के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

यह साझेदारी राष्ट्रीय मिशनों और सामाजिक प्राथमिकताओं के अनुरूप सहयोगात्मक कार्यक्रमों, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा जनसंपर्क पहलों को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखती है। समझौते के प्रमुख क्षेत्रों में "शिक्षित भारत" के अंतर्गत शिक्षा-आधारित सशक्तिकरण, "समुदय भारत" के माध्यम से आर्थिक उन्नयन तथा "नशा मुक्त भारत" के अंतर्गत जागरूकता और पुनर्वास प्रयासों को सुदृढ़ करना शामिल है।

इस सहयोग के अंतर्गत क्षमता निर्माण, कौशल विकास तथा सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया जाएगा, विशेषकर समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के लिए।

इस साझेदारी के माध्यम से देश भगत विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक विशेषज्ञता, अनुसंधान क्षमता तथा जनसंपर्क नेटवर्क का सक्रिय योगदान देगा, जिससे प्रमाण-आधारित नीति निर्माण तथा सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को समर्थन मिल सके। संयुक्त पहलों में प्रशिक्षण मॉड्यूल, जागरूकता अभियान, क्षेत्रीय हस्तक्षेप तथा प्रभाव-उन्मुख अनुसंधान परियोजनाएं शामिल हो सकती हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय नेतृत्व ने शिक्षा, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। यह सहयोग विश्वविद्यालय की उस दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें वह केवल अकादमिक सीमाओं तक सीमित न रहकर एक समावेशी, न्यायसंगत एवं सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

यह समझौता "विकसित भारत 2047" के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप भी है, जो उच्च शिक्षण संस्थानों की परिवर्तनकारी सामाजिक बदलाव में उत्प्रेरक की भूमिका को सुदृढ़ करता है।

DBU Professor Ajay Gupta Honoured with Excellence Award

Prof. Ajay Kumar Gupta of Desh Bhagat University was honoured with the Award for Excellence in Academics and Research during a prestigious ceremony held at the ICAR-Central Agroforestry Research Institute (CAFRI), Jhansi, on the occasion of World Earth Day.

The award was presented at the concluding session of the two-day National Conference on "Frontiers in Environmental Sustainability, Climate Stewardship, and Biotechnology (FESCBT-2026)". Prof. Gupta received the recognition from Chief Guest Dr. A. K. Singh, Vice Chancellor of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi, along with Dr. Niloy Khare, Advisor to the Ministry of Earth Sciences, New Delhi, Dr. A. Arunachalam, Director ICAR-CAFRI, and Dr. Kshipra Mishra, President Save the Environment and former Additional Director DRDO, New Delhi.

The conference brought together over 200 delegates from across the country under the theme "Our Power vs. Our Planet," fostering discussions on key environmental challenges and sustainable solutions.

In addition to receiving the award, Prof. Gupta contributed academically by delivering an invited lecture on environmental and climate issues. His documentary on Yamuna River pollution was also screened, drawing attention to pressing environmental concerns.

Organized jointly by Save The Environment (STE), the Indian Society of Agroforestry, and the Society for Science of Climate Change and Sustainable Environment (SSCE).

The event concluded with a valedictory address by Dr. Mukesh Pandey, Vice Chancellor of Bundelkhand University.

Desh Bhagat University leadership, including Chancellor Dr. Zora Singh, Pro Chancellor Dr. Tajinder Kaur and Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, congratulated Prof. Gupta for bringing national recognition to the institution through his achievement.



डीबीयू के प्रोफेसर डॉ. अजय गुप्ता को विश्व पृथ्वी दिवस पर एक्सीलेंस अवार्ड से किया गया सम्मानित

देश भगत यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार गुप्ता को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आईसीएआरदसेंटरल एग्रोफोरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएफआरआई), झांसी में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह के दौरान अकादमिक और शोध में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार 'पर्यावरण स्थिरता, जलवायु प्रबंधन और बायोटेक्नोलॉजी में सीमाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में प्रदान किया गया। प्रो. गुप्ता ने यह सम्मान मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह, रानी लक्ष्मी बाई सेंटरल एग्रिकल्चरल यूनिवर्सिटी, झांसी के उप कुलपति, नई दिल्ली के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डॉ. निलोय खरे, आईसीएआर-सीएफआरआई, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम तथा 'सेव द एनवायरमेंट' के अध्यक्ष और डीआरडीओ के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. कशिप्रा मिश्रा से प्राप्त किया।

इस सम्मेलन में 'हमारी शक्ति बनाम हमारा ग्रह' थीम के तहत देशभर से 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों और टिकाऊ समाधानों पर चर्चा की गई।

पुरस्कार प्राप्त करने के साथ-साथ, प्रो. गुप्ता ने पर्यावरण और जलवायु से जुड़े मुद्दों पर आमंत्रित व्याख्यान देकर अकादमिक योगदान भी दिया। यमुना नदी के प्रदूषण पर उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसने पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन 'सेव द एनवायरमेंट', इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोफोरेस्ट्री तथा सोसाइटी फॉर साइंस ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल एनवायरनमेंट द्वारा किया गया। सम्मेलन का समापन बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. मुकेश पांडे के समापन भाषण के साथ हुआ।

इस अवसर पर देश भगत यूनिवर्सिटी के नेतृत्व, जिसमें चांसलर डॉ. जोरा सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और वाइस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती शामिल हैं, ने प्रो. गुप्ता को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी, जिसने संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

Desh Bhagat University World Malaria Day Observed with Awareness Drive in Village Chehal

Faculty of Pharmacy, Desh Bhagat University in observance of World Malaria Day, an awareness programme was organized with the aim of educating the community about the prevention and control of Malaria. The event was aligned with the global theme, "Driven to End Malaria: Now We Can, Now We Must." It focused on encouraging collective action to eliminate malaria through awareness, prevention, and community participation.

The primary objectives of the programme were to educate people about the causes, symptoms, and prevention of malaria; promote the use of preventive measures such as mosquito nets, repellents, and proper sanitation; highlight the importance of early diagnosis and timely treatment; and spread awareness about government and global initiatives aimed at malaria eradication. The programme also aimed to motivate individuals to take responsibility for preventing the spread of the disease.

As part of the celebration, a community outreach visit was conducted in Village Chehal. During the visit, students actively interacted with local residents and provided valuable information about malaria. They emphasized maintaining cleanliness, avoiding stagnant water, and adopting protective measures against mosquito bites. The students also delivered motivational speeches, encouraging villagers to remain vigilant, seek early medical help, and actively participate in community health practices.

The initiative received a positive response from the villagers, who showed keen interest and actively engaged in discussions. The outreach not only enhanced awareness among residents but also encouraged them to adopt healthier practices to prevent malaria.

The programme resulted in increased awareness about malaria and its prevention, improved understanding of hygiene and sanitation, and greater willingness among the community to adopt preventive measures. It also provided students with practical exposure to community health education, enhancing their communication, leadership, and social responsibility skills.

The event concluded successfully, reinforcing the importance of collective efforts in combating malaria. It highlighted that with awareness, commitment, and proactive measures, the goal of eliminating malaria is achievable. The message of the theme was strongly conveyed - now we can, and now we must act to end malaria.

The programme was conducted under the motivation and guidance of Dr. Puja Gulati, Director, School of Pharmacy, whose continuous support inspired the successful execution of the event.

Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur and the Vice Chancellor, Dr. Harsh Sadawarti, congratulated the organizing team and students for their dedicated efforts and motivated them to continue organizing such impactful community outreach programmes in the future.



देश भगत विश्वविद्यालय ने विश्व मलेरिया दिवस पर ग्राम जागरूकता अभियान आयोजित किया

देश भगत विश्वविद्यालय के फार्मसी संकाय ने अमलोह के नजदीक ग्राम चेहल में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से विश्व मलेरिया दिवस मनाया। यह कार्यक्रम वैश्विक विषय "मलेरिया उन्मूलन हेतु प्रेरित: अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा" के अनुरूप आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षा, रोकथाम और सहभागिता के माध्यम से सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था, ताकि मलेरिया का उन्मूलन किया जा सके।

मुख्य उद्देश्यों में मलेरिया के कारणों, लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में ग्रामीणों को शिक्षित करना, मच्छरवर्तनियों, प्रतिरोधकों (रिपेलेंट्स) और स्वच्छता को प्रोत्साहित करना, शीघ्र निदान एवं उपचार के महत्व पर बल देना तथा सरकारी एवं वैश्विक उन्मूलन अभियानों की जानकारी प्रदान करना शामिल था। साथ ही, रोग के प्रसार को रोकने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर भी जोर दिया गया।

विद्यार्थियों ने ग्राम भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया और स्वच्छता बनाए रखने, ठहरे हुए पानी को समाप्त करने तथा मच्छरों के काटने से बचाव के उपाय साझा किए। प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से सतर्कता, समय पर चिकित्सा परामर्श और सामुदायिक स्वास्थ्य में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, चर्चाओं में भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने मलेरिया के प्रति जागरूकता, स्वच्छता संबंधी ज्ञान और निवारक उपायों को अपनाने में वृद्धि की, साथ ही विद्यार्थियों को संप्रेषण, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

निदेशक स्कूल ऑफ फार्मसी डॉ. पूजा गुलाटी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जागरूकता, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से मलेरिया का उन्मूलन संभव है अब हम कर सकते हैं और अब हमें करना ही होगा।

माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर एवं कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने टीम और विद्यार्थियों को बधाई दी तथा ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

